



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 587]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 3, 1989/कार्तिक 12, 1911

No. 587]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 1989/KARTIKA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

extra Part is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विस्त मंत्रालय

(राज्य विभाग)

शिमला

दिनांक 3 नवम्बर 1989

ग 56/89 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (नए टोल)

सा वांनि 964(अ) -- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (राज्य विभाग) और  
नमक अधिनियम 1911 (1911 का 1) का प्रांग 37 द्वारा प्रदत्त  
शर्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1911 का और  
संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् --

1 (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (राज्य विभाग) नियम 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रथम हंगे।

2 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1911 के नियम 37 में --

(1) उपनियम (2) के खंड (क) और खंड (ख) का स्थान पर  
निम्नलिखित रखे जायेंगे अर्थात् --

“(क) उसके परीक्षण सम्मत, परिष्करण, पुनरुत्पन्न के  
प्रयोजनों के लिए या अन्तिम उत्पादों के विनिर्माण के  
लिए कोई अन्य आवश्यक संशोधन करने के लिए ऐसे  
कारखानों के बाहर किसी स्थान को हटा सकेगा और  
अन्तिम उत्पादों के विनिर्माण में आगे प्रयोग के लिए  
आने कारखानों को लौटा सकेगा या उसे नियमित के  
लिए बंधपत्राधीन शुल्क का सदाय किए बिना हटा  
सकेगा, परन्तु यह तब जब कि ऐसी शर्तों के दौरान  
उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट भी यदि कोई हो, उक्त  
कारखानों को लौटा दिया जाए,

(ख) अन्तिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए आवश्यक मध्यवर्ती  
उत्पादों के विनिर्माण के प्रयोजनों के लिए ऐसे कारखानों  
के बाहर किसी स्थान को हटा सकेगा और अन्तिम उत्पाद  
के विनिर्माण में आगे प्रयोग के लिए अपने कारखानों  
का उक्त मध्यवर्ती उत्पादों को लौटा सकेगा या उसे  
नियमित के लिए बंधपत्राधीन शुल्क का सदाय किए बिना  
हटा सकेगा परन्तु यह तब जब कि ऐसे मध्यवर्ती उत्पादों  
के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट भी,  
यदि कोई हो, उक्त कारखानों को लौटा दिया जाए। ,

- (2) उपनिषम (3) के परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित पर परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु संघपत्राधीन निर्यात के लिए निकासी किए गए अंतिम उत्पाद में प्रयुक्त या उपनिषम (2) के अनुसार निर्यात के लिए निकासी किए गए मध्यवर्ती उत्पादों में प्रयुक्त निवेशों के संबंध में विनिर्दिष्ट शुल्क का मुजरा, शुल्क का संदाय करके और जहां, किसी कारण से, ऐसा समायोजन संभव नहीं है वहां, विनिर्माता को ऐसे रकमों, शर्तों और निर्बंधनों के अधीन रहने हुए, जो केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में विनिर्दिष्ट करे, प्रतिमंदाय करके देशी उपयोग के लिए निकासी किए गए वैसे ही अंतिम उत्पदों पर उत्पाद-शुल्क के समान मद्दे उद्योग किए जाने की अनुमति दी जाएगी।”

[क्र. सं. 264/10/89-सीएक्स 8]  
के सी. सिन्हा, डी. सेक.

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 1989

No. 56/89-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 964(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excises Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (11th Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In rule 57F of the Central Excise Rules, 1944,—

(I) in sub rule (2), for clauses (a) and (b), the following clauses shall be substituted, namely :—

“(a) for the purposes of test, repairs, refining, reconditioning or carrying out any other operation necessary for the manufacture of the final products and return the same to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of such operation is also returned to the said factory;

(b) for the purpose of manufacture of intermediate products necessary for the manufacture of the final products and return the said intermediate products to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of manufacture of such intermediate products is also returned to the said factory”;

(II) in sub-rule (3), for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the credit of specified duty in respect of inputs used in the final products cleared for export under bond or used in the intermediate products cleared for export in accordance with sub-rule (2), shall be allowed to be utilised towards payment of duty of excise on similar final products cleared for home consumption on payment of duty and, where for any reason, such adjustment is not possible, by refund to the manufacturer subject to such safeguards, condition and limitations as may be specified by the Central Government in the Official Gazette.”

[F. No. 264/10/89-CX.8]  
K.C. SINGH, Dy. Secy.